ना॰ २

पीतांबरः पीतवपुः किरीटी चतुर्भुजो [illegible] मस्तु तातस्वनमालि [illegible]
युधश्च ॥ ४ ॥ इति प्रा॰ ॥ अथ गुरु आवा [illegible] पीतवर्णं चतुर्भुजं देवं [illegible]
सूत्रकमंडलुपाणिं च देशोद्भवं मगि [illegible] प्रमनुपुष्पच्छदं संपीतांब [illegible]
रणम् भूषितम् पीतगंधानुलेपनं पीत [illegible] ताकिनं मुकुटकेयूरमा [illegible] तम्
मारुह्य रथं दिव्यं मेरुपृष्ठे द्विरंगकुर्वीरां [illegible] प्रविश्य माध्ये देवते द्रुसंहिता [illegible] देवता
कलसंहितं पीतदीर्घं चतुरस्रकमंडले [illegible] मावाहयामि ॥ ओं बृहस्पते अति यद
र्यो अर्हाद्युमद्विभाति क्रतुमज्जनेषु य [illegible] दयच्छवस ऋतप्रजात तदस्मासु द्रविणं धेहि चि
त्रम् ॥ इत्यनेन संपूज्य ॥ गंधपुष्पादि [illegible] ॥ अथ प्रा॰ पीतांबरः पीतवपुः किरीटी च
तुर्भुजो देवगुरुः प्रशान्तः दधाति दंडं [illegible] स्तु सततं वरदोस्तु मह्यं मूर्तिप्रा॰ ॥ ॥
॥ अथ शुक्र आवाहनं ॥ श्वेत [illegible] पनम्

[illegible]

पद्मासनः पद्मकरो द्विबाहुः [illegible]

वं. इति प्रार्थना ॥ अथ चंद्रस्यावाहनम् ॥ ॐ आप्या [illegible]

ड्डुमावाहयाम्यहम् ॥ इमंदेवा असपत्नं सुवध्वं [illegible]

गंध्यै तांवरः श्वेतविभूषणाः श्वेतद्युतिर्दंडधरो [illegible]

विषै द्धातु देववरः ॥ इति प्रा० ॥ अथ भौमस्यावाहनम् [illegible]

लेमा कुमारं भौममावाहयाम्यहम् ॥ ३ ॥ अग्नि [illegible]

ति० दिनारभ्य चर्चयेत् ॥ अथ भौमप्रार्थना० रक्तो व [illegible]

दिवाक तः शक्तिधरश्च कुमारः सदा मम स्याद्वरदः प्र [illegible]

रकुजा रं सोमवंशविवर्द्धनं [illegible] मानेति [illegible]

भ्यांति प्रतिगच्छतीत्वमित्यपृतेसह [illegible]

दप वप्र मानस्पसीद तः ॥ २ स्व नेन [illegible]

कवे दन चंद्रे च भौमे [illegible]

[illegible] गुरुस्सदा वरदस्स्याद्धातु दे

रकौभिसमन्वितं श्रीबधीनां तुराजानमभि

पुष्यादिनारभ्य चर्चयेत् ॥ २ ॥ ततः चंद्रप्रार्थना ॥ श्वे

[illegible] त्ताम्बरदः किरीटी [illegible] वि

सें [illegible] तोदि [illegible] सुवर्ण [illegible] र [illegible] कुर

क कुर्यात् [illegible] स्व [illegible] नसं [illegible] पुष्पा

किरीटी चतुर्भुजो मेषगतो [illegible] रासु

॥ अथ बुधस्यावाहनम् ॥ [illegible]

[illegible] याम्यहम् [illegible] ति आवाहनं० [illegible]

[illegible] स्य धस्स्य अमृत रासेन [illegible]

[illegible] चर्चयेत् ॥ [illegible]

[illegible] वापिक तर बोरा ६ के लं की जो बु

प्रा०
३

तुदेवः ॥७॥ इति प्रा० ७ ध्यायेद्धनुमान्वा [illegible] वदनं वड्ड [illegible] मे भ्रु लधरं सिंहासन
स्थं पूर्वदेशजं पाटलीगो त्र ७ मंगीयो [illegible] रकं कुंभं वर धरं कुंभमा [illegible]
तं कुंभगंधानुलेपनं कुंभध्वजध्वजा [illegible] कुट केयुर भारी शोभितं [illegible] पं
दिव्यं मेरुमददिरी कुवीरां ग्रहमंड [illegible] गंधे देवता सर्प सहितं प्र [illegible] देवता
कालसदितं कुंभसर्पमंडलेद दिराणि [illegible] हनुमाबादयामि ॥८॥ ७ [illegible] ॥ कं
यानक्षिप्त ७ प्राम वड्स्पनेन संपूज्य ॥ [illegible] देनारम्भ चैत्रेण ॥९॥ ७ ध्यायेत् प्रा०
नीलांबरो नीलवपुः किरीटी करालवक्त्रः के [illegible] वेतुभ्रं गज [illegible] मधर [illegible] सिंहासन
स्थो वरदोस्तु मह्यम् ॥८॥ इति प्रा० ७ ध्यायेके [illegible] युक्तान् द्विबाहून् पाशधरान् विकृतानान्
गध्यवाहनान् किरीटिनो मध्यदेश [illegible] जातान् गौतमाख्यान् नानाच्छंदसमन्वितान्
चित्रांबरधरान् चित्राभर [illegible] गंधानु [illegible] कुम्भपिंगध्व

३

क्षेतमास्यं वरुधरस्य रूमावात्या भिदे॥ [illegible]

तलनं पपः सोमप्रजायतेन सम्यमिंद्रियं वि [illegible]

पुत्रपं०॥ गंधर्वव्वादिना रभ्यचेयेत॥ [illegible]

स्यगुरुप्रणतेः [illegible] तस्य [illegible] मेद [illegible]

[illegible] मार्वन्॥ किरिटि न मि [illegible]

सुरधर सो [illegible] देश जं क [illegible] जो च [illegible]

विनं [illegible] धानुं [illegible] पने [illegible]

दिव्य मे रूपद [illegible] कुर्को [illegible] त म डले [illegible]

न सहि तं [illegible] व [illegible] ले [illegible]

वीर [illegible] ध ः इति मं त्रे रासस्य पु [illegible]

मं त्वधर [illegible] कोरिटि [illegible]

[illegible] तोरसं [illegible] णा व्यपिब

सः इंद्र सोद्रियमिदं १ को मृत मधुरत्यने नस

चेता वरः च्येत वरु किरिटि चेतुं [illegible] जो दे

[illegible] र [illegible] सुम [illegible] ॥ इति [illegible] ॥ इ

लधर वरु [illegible] वा [illegible] णा

धरुसंकु मा वरुधरं [illegible]

हु कुटकेपूर म [illegible] णा [illegible]

देवता प्रजापति [illegible] स [illegible] इ॥

रूमावा [illegible] ॥ [illegible]

चेये तु॥ [illegible] स्ति [illegible]

ना०
४

इतिमृमिस्वपेशं॥ ओं वरुणस्य [illegible] स्त्वमसजीनिस्थो वरुणस्य ऋतस
दनमसि वरुणस्य ऋतसदनमासी [illegible] सीद इति जलं॥ ओं आपः कलीनी [illegible] प्रफ
ला॥ प्रपुष्पया [illegible] पुष्पिणीः [illegible] स्पति [illegible] चं च थं तस्मै इति कलशे फलं
ओंकारगृहीत [illegible] तकोरग तत्र रोगात्निपुरुष व [illegible] स ता नो देवे [illegible] च इ
ति कलशे दूर्वा॥ ओं याः ओषधीः पूर्वा [illegible] देवा [illegible] पुरा मनेन्त्व [illegible] प
तथा निसप्त च इति कलशे॥ ओषधीस [illegible] हिरण्यगर्भः समवर्तता [illegible] प
तः पतिरेकः॥ आसी तस दाधार पृथिवी [illegible] कस्मै देवाय हविषा वि [illegible] ति क
लशे द्रव्यं॥ ओं॥ प्र [illegible] वो नि [illegible] त इति क [illegible] गो भाजइत [illegible] त
थय तं न वथं पुरुषम [illegible] प्रापाय [illegible] प्रपान [illegible] न
पस्वाता ओं॥ प्रवे॥ प [illegible] ति [illegible] ४

जपता किनी मुकुट को ... मारी ... आर धन ... मे ...

त्म इन्द्र ले ए विश्वान् तू माधी देव ... माधी देव ... चे ...

के मैपिम ध्य जा मकुले द दिरा ... तू ... शवा ...

पूजा।। के तु ... च्यने न स ...

र्च पेन।। ग म प्य कुतु भ्रा थेन।। ।। धु म्को ... दाम्न तूज ... न स्यो ...

किरिया के पूर विशुम्भूषित्ता वर: सदासु ... प्रणात ... इति ...

१ज्य।। पुजे ना दन त त्व म कल ए प्रति ... [illegible] ... पूर सिन्ने ... [illegible] ... विष्णु

सम्भूवनस्य धा जी च पिवी पर्च पि वीद ... [illegible] ... मा हि ... न मः ... स्वर्णः।। ॐ

मा नस्तो के त न य मा न आयुषि मा नो गो ... [illegible] ... श्वषु रीरिषः मा नो वीरान् म रुद्र भामि तो

वधी ह विष्मं तस्स दमित्त्वा हवा ... [illegible] ... त नमः।। ॐ ... जि ... कलशं ...

बि रां ति वि दन्द ... [illegible] ... स्वति पुन नो वि ... तादपि।

ना
६
वेदप्रस्याब्यवस्कभरणा सादं [illegible] तेप [illegible] ॥ शा [illegible] त मन्त्रक्र
येनस्याप्य॥प्रतिष्ठाप्य॥प्राङ्मु [illegible] ॥मथमारुद्रजरविश्वामित्रऋषमद
ऽनि४कपपपुपवपिष्ठ [illegible] पेत॥अनेनमंत्रेण ॐ पयः पृथिव्यां
पय ओषधीषुपयोदिव्यंतरिक्षेपयोधा [illegible] तिमन्त्रेणस्नापयित्वा॥पुनर्गोतेन॥
ॐ वरुणस्योत्तंभनमसि वरुणस्य [illegible] स्थावरुणस्य [illegible] सिवरु
णस्यऋतसदनमासीद॥२पुन [illegible] नस्नानम् [illegible]
ऋग्मीस्नानम्॥गंधपुष्पधूपदी [illegible] नैवे [illegible] दीरणादिभिः पुजयेत॥ [illegible] नम
ॐ अद्यामुककर्मणोत्र्यस्य अमुक अमुक [illegible] ऽरणार्थ मुक्तिकामः [illegible] सांत
न्मोत्स्यापकल्पीतांवारुद्रदेवतां [illegible] पखुरीताम्रपविकांएप [illegible]
मरमभूषितां अमुकगोत्राय [illegible] न्नायतुभ्यमहंसंप्रददे॥ [illegible] ति
प्रतिवचनम्॥इतिसकल्पगोदय [illegible] दानादिकम्॥तवनेम॥॥॥ ६

णाः॥ अंतरिक्षादिपतकाय्यतदु [illegible]
वे ततगायत्री मंत्रस्य सपाद लक्ष तत् संख्[illegible]
जपध्यम्॥ जपामः जपाभिवाद्यास्तरे [illegible]
॥ अच्युतायनमः इति त्रिवार पठित्वा समय[illegible]
नद्यादिकंगत्वास वैसामग्रीं गृहीत्वा पू[illegible]
कगोत्रस्य॥ अमुकप्रेतस्य॥ अमुक प्रा[illegible]
देहोद्धरणकामः नारायणबलिं [illegible]
गत्वेन गणेशादिदेवान् सप्त ऋषि[illegible]
र्यादि नवग्रहेभ्योदत्वा के त पा॥ [illegible]
॥ अथ गौतमादि सप्त ऋषि[illegible]
समुद्र मस्य [illegible]

[illegible] प सप प्रेतदेहोद्धरणकामः श्री
नारायणबलि अहं करिष्ये [illegible] का
॥ चम्या॥ प्रार्थना॥ अत [illegible] कृति॥
तरम् नारायणबलि वि [illegible] ॥॥
तात॥ कोष्ठ मडलच कुर्यात् [illegible] मु
नादि [illegible] जानि तथा प [illegible] पूर्वक
॥ [illegible] नारायण बलि [illegible] करणं
॥ [illegible] अर्घ पुष्प धूप दीप नैवेद्यादि ततादीकंस्
मात् गौतमादिसप्त ऋषिबिंबं पुजनं॥
[illegible] कमे नैवेद्यानि दद्यात्

श्री ब्रह्मगायत्री मंत्र सप्रयोगं [illegible]
का [illegible] मि: [illegible]

ॐ पावसु धरा [illegible] र्वेदाध्यव [illegible] र्वेद: सामवेदोऽथर्ववेदा [illegible] तु स [illegible] सर्वे कलशान्तु समा
श्रिता: देवदानवसंवादे मथ्यमाने महो [illegible] ता [illegible] कुंभो विधृतो विष्णुना स्वयं त्व
तोयेस्सर्व तीर्थानि देवास्सर्वे त्वयि स्थिता [illegible] पितृ [illegible] तिष्ठ [illegible] प्राणा: [illegible] तिष्ठि
ता: शिव: स्वयं त्वमेवासि विष्णुस्त्वं च प्रजापति: [illegible] वसवो रुद्रा विश्वेदेवा मरुद्
गणा: त्वयि तिष्ठंति सर्वेपि यत: कामफलप्रदा: [illegible] सादात् [illegible] कुंभ [illegible] सान्नि
ध्यं कुरु मे देव प्रसन्नो भव सर्वदा इति [illegible] येना कलशस्थापनं [illegible] मि:
पूजयेत् इति कलशस्थापन विधि:॥ [illegible] ॥ [illegible]
मुकस्य प्रेतस्य अमुकशर्मण: प्रेतत्वनिवृत्ति [illegible] तद् [illegible] ब [illegible] वैकुंठ
लोकप्राप्ति कामः श्री ब्रह्मगायत्रीजप [illegible] डोरिका [illegible]
मंत्र स्व: प्रपुत्री प कृति विना स [illegible] नाम गोत्रा [illegible] स्य
लोकवरणं कुर्यात्॥ जपसंकल्प [illegible] स्य अमुक प्रेतस्य अमुकशर्म

नीमह निः श्राम्र पल्लव पत्रो धान्य [illegible]
धीमंतु प्रसूतिम पुत्र धीं देवो वस्स वि[illegible]
येला मतिं नापयो सि इति धान्यम् ॥ ओं
पस्यात राग्निर्ज्योतिर्वर्चो ज्योतिर्वन [illegible]
ओं ध्रुवासि ध्रुवं तं यो स्मान् ध्रुवंति तं ध्रुव
तमच्छं प्रतिमच्छं जुष्टतमं छं देव तु [illegible]
वविक्रीरग वताद्य मुच्च छं शतक्रतोः सुजा
पछं समिमं दधातु विश्वेदेवा सह तमा [illegible]
सर्वमेव प्रतिष्ठितं भवतु ॥ इत्यादिना व [illegible]
सरितस्तीर्थोदका सरांसि च ॥ श्रा [illegible]
कंठो रुद्र समा [illegible]

[illegible] रागा [illegible] ना [illegible]
गीः प्रतिग्य [illegible] वर्च्छ [illegible] रण [illegible] न
ते ज्योतिर [illegible]
[illegible] तिस्सूर्यो ज्योतिः स्वा ते [illegible]
धीमः देवाना नाभि वाद्धि [illegible] ॥
॥ ओं पूर्णा दर्वि परापत सुपूर्णा पुनरापत वस्ने
[illegible] वरूप मा नव क्वः वासि [illegible] विश्वरू
पं वै प्रतिष्ठा नाम यज्ञो यजनेन यजते
तेना जगती यावद्वा वाक् तन्न म ॥ सर्वे समुद्रा
[illegible] प्रकार [illegible] शस्य मुखे विष्णु

ना॰ ८

[illegible] रेणोकमव्यस्युतिमु सव्येनैवतत्परांमिति त्रति भातिदिवत [illegible] ॥ ७॥ [illegible]

प्प॰ मनेन मंत्रेण उ यस मा [illegible] जोवे [illegible] नया कल्पता मास्मिन्लो

के शतं छं समाइति मंत्रेण स्नापयित्वा [illegible] लपणं ज्ञेति लोन मा हीप्य॥ कलशं जले

6 न पूरयित्वा॥ अनेनैव मंत्रेण स्था [illegible] गंधादिना रूप्य चैयेत्॥ इति प्रतिमाप्

जनस्थापन प्रकारः॥ तस्य प्रेत घटस्य [illegible] कनं स्थाप्य॥ येसमाना इति मंत्रेण स्था

पयेत् प्रजपेत् तस्योपरि तर्पणं कुर्यात् [illegible] ऽभिमुखः अपसव्येन तर्पयेत्॥ अथ

दुग्धप बंजलं स्नात्वा पं पेतः६

मं संकल्पं कुर्यात्॥ ॐ तत्सद्येत्यादि [illegible] स्नात्वा ॐ अद्यामुक गोत्रस्य अमुक प्रे

तस्य और्ध्वदेहिक सम्प्रदान त्वयोग्यता [illegible] कुशोपरि तर्पणमहं करिष्ये इति संक

ल्पं॰ तर्पणं कुर्यात्॥ अथ तर्पण मंत्राणि [illegible] मते मन उतयु [illegible]

ते विप्रकिस्तत: विहोत्रा विदधे वापुना [illegible] मही देवस्य सवितुः परिष्ठति [illegible] ९

ॐ देवी द्यावापृथिवी मखस्याद्य त्वा मखा [illegible] संदेवय जनेन वः पृथिव्या मखाय त्वा मख

स्य त्वा शीर्ष्णे तृप्यताम्२ ॐ देव्यो [illegible] मखस्य वो द्यशिरो [illegible] ८

तुष्यदेविक्व ७७ ग्रामेऽस्मिन् नन्नातुर … स्नाप्य ॥ ॐ … दिशाकलशा … गो
घृमान्ने निद्दिप्य ॥ कुलप्रभधुघृते … ॥ ॐ नमस्ते रुद्रमन्यवे उतोत इषवे नमः
वाहुभ्यामुततेनमः इति मंत्रेण कलशं स्नाप्य ॥ … परितांप्रति मा … वस्त्रेण … ॥ स
स्नाप्य ॥ अनेनेनैव मंत्रेण नमस्तेऽस्त्वनेन … अनेनेनैव मंत्रेण स्वच्छेत ॥ … मिः
॥ ततो लोकम … प्रतिमां ॐ ये समाना … पितरा यमराज्ये … नमो
यज्ञोदेवेषु कल्पतामिति मंत्रेण स्नाप्य … दिशाकलशा … निद्दि
प्य ॥ कलशे जलेन पूरयित्वा ॐ पमा … स्वच्छ … देव … वित. मध्ये
मध्यान … स्नाप्यास … इत्यनेन मंत्रेण कलशे
स्थापयेत ॥ तत्र प्रतिमां समाद … सर्वेषु ॥ ॐ पतनो … स्वते पितृम
ते स्वाना तु ध … स्थापयेत ॥ तस्यां च प्रतिमां
अनेनैव … प्रतिमा स्नापस्ना

सतञ्चयोनिमसतश्चविवः [illegible] कलशोपरि स्थापयेत्॥ ततस्तां च

ताम्प्रतिमां ॐ मे लराः स्पृते त्वमस्यपद [illegible] तस्य चो धिनयं च जित्वा विश्व तद्भद्र मृदवंतिदेवाः

वनहृदेवाम विदथे सुवीरा पर्मा विप [illegible] कमायोनः पितान्त्यपतेन्नस्पनोदे [illegible] दि॥

इति मंत्रेण गंधादिभिरर्चयेत्॥ अग्रेस [illegible] मी विष्णु इति मां॥ ॐ [illegible] मसि वि

ष्णोश्नप्त्रेस्थो विष्णोस्युरसि विष्णोर्ध्रुवो [illegible] मसि विष्णवेत्वा इति मंत्रेण ध्यात्वा॥

ॐ इदं विष्णुर्विचक्रमे त्रेधा निदधे [illegible] मस्य पांसुरे इति मंत्रेण स्नापय॥

पश्चिमदिशि कलशं [illegible] कलशं गङ्गोदकेन पूर्य [illegible] नेन

व मंत्रेण कलशं स्थापयेत्॥ ततस्तां [illegible] दोपवीतवस्त्रेण संवेष्ट्य [illegible] नैवे

त्रेण तत्कलशोपरि स्थापयेत्॥ त [illegible] ॐ [illegible] प्रासादि [illegible] नाकृ

वंदनपयो निहतपत्सिवर्हिषो [illegible] नारमर्चयेत्॥ ततः [illegible]

प्रतिमां मू [illegible] पदि [illegible] संमन्त्र्य पंच

[illegible]

वा॰ १६ ॥ इत्यनेन पुरुषसूक्तेन प [illegible] जा [illegible] ऽदी कक [illegible] पे ॥ अथ व [illegible] तनेराप [illegible]
तीकं कर्तव्यम् ॥ अथ मम मनो जूतिम् [illegible] त्यक कथ कू पात्रे पुस्पाव [illegible] निधाय [illegible] संक
ल्पं कुर्यात् ॐ अत तत्स दद्येत्या दिदे [illegible] त्वा अद्या मुक [illegible] स्प [illegible] स्पव
तकाक्षित दु [illegible] मेर राज दोष विनाश [illegible] दिके सम्प्रदान त्वे योग्य [illegible] यक
तव्य नाराय रागव त्पा द् भूत ब्रह्मवि [illegible] प्रत प्रतिमा स्वस्व मन्त्रे यपो [illegible] वा र
द मन्त्वये द् ति संकल्पयेत् ॥ ततो ब्रह्म [illegible] प्प मयी स्ना प अनेन म [illegible] पु के
न मन सा व य पे देव स्य स वितु स्स वे स्वर्ग [illegible] तिम त्रे णा स्न [illegible] त्व शा ग्र
तं दु ला न्नि दी प्प ॥ कल शं दुग्धे न प [illegible] ॐ प्र जा प ते न त्व दे वा न न्यो ॥ वि श्वा रूपा
णि प रि ता व भू व प त्का मा स्ते जु हु म [illegible] मु ख्य पि ता सा व स्प षि ता व य थं स्या म प
त यो र यी णां थं स्वा हा इ ति म त्रेर [illegible] प्र त त्त पं स्था प पेत् ॥ ततो नं त रं प्र ति मा
स मा द य ॥ ॐ [illegible] न [illegible] ग्रा व न्दु बुध्न्यो ऽ उ प मा अस्य वि [illegible]

ना.
७ छंसि जज्ञिरे तस्माद्यजुस्तस्मा[illegible] मूत् तस्मादश्वा ऽजायंत ये के चोभ
यादत गावो ह यज्ञीरे तस्मा तस्मा[illegible] जावय: इति यज्ञोपवीतम्॥ तं यज्ञं बर्हि
षी प्रौक्षन् पुरुषं ज्ञोतमग्रत: तेन दे[illegible] तसाध्या ऋषयश्च ये इति गंधम्॥
यत्पुरुषं व्यदधु: कतिधा व्यकल्पयन्[illegible] मस्यासीत् किं बा[illegible] राजन्य: कृ
८ त: ऊरू तदस्य यद्वैश्य: पद्भ्यां शूद्रो[illegible] : इति धूपम्॥ चन्द्रमा[illegible] जातश्च
क्षो सूर्यो: अजायत श्रोत्राद्वायु[illegible] दग्निरजायत। इति [illegible]॥ ॐ ना
भ्या ऽऽसीदन्तरिक्षं शीर्ष्णो द्यौ: स[illegible] भूमिर्दिश: श्रोत्रात्तथा लोकान् अ
कल्पयन् इति नैवेद्यम्॥ यत्पुरु[illegible] देवा यज्ञमतन्वत वसंतो स्यासीदाज्यं
ग्रीष्म इध्म: शरद्धवि: इति नमस्का[illegible] आसन् परिधय: त्रि: सप्त समिध: कृता:
देवा यद्यज्ञं तन्वाना: अबध्नन् पु[illegible] नि रमास्य तेन क[illegible]॥ यज्ञेन य
ज्ञमजयंत देवास्तानि धर्माण्यासन्ते ह नाकं महि[illegible] सचंत यत्र पूर्वे साध्यासंति दे ७

गौप्यमघीत्वाचरणः प्रथमा २॥ सूव [illegible] स्पट [illegible] ताय ३ लो [illegible]
मघीपमस्य चतुर्थी ४॥ सीसमय [illegible] ॥ इति पंच प्रति मा॥ तत [illegible] मनो
ज्ञेतिरितिमंत्रेण प्रतिष्ठाप्य पश्च [illegible] निधाय पुरुषसूक्तेन पू [illegible] वा
पुरुषसूक्तस्य ०॥ ॐ सहस्रशीर्षा पुरुष [illegible] स [illegible] तस्त्वा त्सम्भूमि ४ सं [illegible] त्यति
ति दशांगुलमित्यावाहनम्॥ ॐ पुरु [illegible] ष एवेदं सर्वं यद्भूतं यच्च भाव्यं उत [illegible] स्या
शानो यदन्नेनातिरोहति इति २ म [illegible] वा न स्य भूति मांतो ज्याय [illegible] षः पा
दोस्य विश्वा भूतानि त्रिपादस्यामृत [illegible] पाद्यम्॥ त्रिपादूर्ध्व [illegible] पादोस्ये
हाभवत्पुनः ततो विष्वं व्यक्रामत्स [illegible] रा ने २ मा भि ४॥ इति २ म र्घ्यम्॥ ततो विरा
डजायत विराजो २ अधि पुरुषः स [illegible] रिच्यत पश्चाद्भूमिमथो पुरः इति २ मा
चमनम्॥ तस्माद्यज्ञात्सर्व [illegible] पृषदाज्यं पशूंस्ताश्चक्रे वायव्यानारण्या
न्या न्याश्चयेइति स्नानम् [illegible] चः सामानि जज्ञिरे तस्माच्छन्द

देवयजने पृथिव्या मखाय त्वा मखस्य त्वा शी[illegible] प्यता ३॥ ओं इयत्यग्र आसीन्मखस्य तेद्य
शिरो राध्यासन्देवयजने पृथिव्याः मखा[illegible] मखस्य त्वा शीर्ष्णेत्प्यताम् ४ ओं [illegible] ज्ञ
स्या मखस्य तेद्य शिरो राध्यासन्देवयजने [illegible]: मखाय त्वा मखस्य त्वा शीर्ष्णेत्प्यताम्
५ ओं नृम्णे [illegible] स्पते मदेव्यो रतु प्रवृत्ता [illegible] शिरो राध्यासन्देवायतने [illegible] मखाय
9 त्वा मखस्य त्वा शीर्ष्णेत्प्यताम् ६॥ मखस्य [illegible] मखायपत्वा शीर्ष्णेत् प्यताम् ॥७ ओं [illegible] मखस्य त्वा
[illegible]: ऋतायधृदवामि देवयजने पृथिव्या [illegible] पत्वा मखस्य त्वा शीर्ष्णेत् प्य[illegible] ॥ इति
मंत्रत्रिवारं पठित्वा तर्पयेत ॥ दिवी विष्णु[illegible] जागतेन छन्दसा ततो नि[illegible]भक्तो योस्मा
न्द्वेष्टि यं च वयं द्विष्मो ॥ अंतरिक्षे विष्णु[illegible] त्रैष्टुभेन छन्दसा ततो निर्भक्तो योस्मा
न्द्वेष्टि यं च वयं द्विष्मो दत्तो तस्मै [illegible] स्वः सन्ज्योतिषाभूमत्प्यताम् ९॥
ओं मर्त्येनस्तु नूरासि विष्णुवेत्वा सो [illegible] विष्णुवेत्वा तिष्ठेरातिष्यमसि विष्णवेत्वं
[illegible] सो [illegible] स्यो [illegible] देवीन [illegible] त्प्यताम् १०॥ विष्णु

क मीरोपपतं [illegible] निवयसर्दू दस्यचुगोः सखोः तत्पपतो ११ त्रिशि [illegible] विचक्रमे
१० विष्णुर्गोपा [illegible] [illegible] तानि १२ [illegible] ओ ३ द विष्णुर्विचक्रमे
मै त्रेधा निदधे स्पदं समूढ मस्य [illegible] पतो ॥१३ ओं प्रभिपज्ञानं प्रथमं पुरुस्ता
द्वि सिमत सुरुचो वेन ः आवः [illegible] ः प्रस्य विष्णास्त तन्नपो नि मस तश्च
वीवः तत्पपतो १४ ओं यमाय ला मख [illegible] स्यत्वात पसे देव सव स्त [illegible] म धानि कु
पत्रिपसा स ७ स्य पास्यासि [illegible] सि रसि तवो सि तत्पप [illegible] ॥ तच्चो ॥ १५
१८ खोतुषा क चामापिर वरोयम् ॥ [illegible] ड मत्रे स्त पेये तुः ॥ ओं वि [illegible] तत्रि
व तु सो मय म मध्वायु ई ध रो पता वद्धि [illegible] त्ता पोग भिर द्याति तु [illegible] पुषा
प पु स्यधा विरा जा तिर त्पपतो १ ॥ ओं उ [illegible] न वे द यो देव वक तत्व ते वह १ ॥ ४ ॥
सूर्य मत्तत्पपता रघेनापावक च [illegible] त्रै नो प्रतु ले व रु सायपस्य तित्र्पपतो ३
ओ देव्यो वध्र्य [illegible] प्रा जात २० [illegible] यन् १० सप व आ पन म [illegible]

यक्षेमपित्रन्देवानांवि[illegible]ओं[illegible] [illegible]स्वधाविपश्यचेमयाऽपेय[illegible]तम्स्व[illegible]
षिदपृथंस्वर्विदमग्रतिच्चिनंव[illegible] [illegible]निमामुञ्जपत्तमनुपासुवर्दसे[illegible]ताम्
पूओंऽग्रयंधेनक्ष्मोदयतत्प्ताह्मिगर्भाज्योति[illegible] [illegible]पूरजासे विमानेरमभया[illegible]स[illegible]मस्
येस्वपिप्रायमुन्नविप्रामतिभीरित्तानितप[illegible] ।। चित्रन्देवानामुदगादनी[illegible]मित्र
10 स्यवरुणास्याग्नेःऽआप्राद्यावापृथिवीऽ[illegible] [illegible]दतश्च सूर्यऽआत्माजगतस्त[illegible]तस्थ्
षामूंग।।ओंऽआनइभिविदथेसुशस्ति[illegible] यानरःसवितादेवरातुऽ[illegible]पुनानो
मत्सेयानोविश्वंजगदभिपित्वेनमन[illegible] [illegible]रुप्पतौ८ओंविदद्युकश्चव[illegible]उग्राऽअ
भिसूर्यसवितदिंद्रतेवशेत्।।९।।ओंत[illegible] [illegible]विस्पदर्शितःतरणिर्विश्वदर्शतोज्योतिष्कृ
दसिसूर्यविश्वमाभासिरोचन[illegible] [illegible]ऽसूर्यस्यदेवत्वंतन्महित्वंमध्याकर्तोर्वि
ततंसंजभारयदेवदयुक्त[illegible] [illegible]पाप्रज्ञौवासस्तनुतेसिमस्मैत्।।११।।त
नमित्रस्यव[illegible] [illegible]म्यद्दुशाद्दप्पपाजः

२१ क्रमम भ्यधासता [illegible] व(पमत्र्भसस [illegible] मसरासत ०१३॥

उं बुध्नसूर्प्य अवसो महो भसि सर्को दे [illegible] श्रसि महादेवानामसुर्य्यः पुरोहितो विभु

ज्योतिरदाभ्यम्॥ तु ०१४ ओं अभ्माव [illegible] समविक्वे दिद्र स्वमदोत: वक्षुनि गोतय

ज मान प्रोजसा प्रति भाग न दीधा म [illegible] म २५ ओं माधा देवा: उदिता सूर्य्यस्य नि

र २५ तसा विष्णतानि रवद्यातत न्नो [illegible] वरुणो मामृमतता मदिति: [illegible] वाप

वी उ तेद्यो तप्यतां २६॥ इति विमाड ने [illegible] सपूर्णम॥ ओं आकृष्णेन [illegible] सा ०॥॥

प्रेतमनसा ध्यायामि सहस्रशीर्षा इति [illegible] श्रा कृगभिसापूर्वेत्त॥ ओं सम [illegible] पी पुरु

प: सहस्राक्ष: सहस्रपात् सभूमि ०० [illegible] स्पत्त्वा त्यतिष्ठद शांगुलम् ०१॥ पु

त्वपरवेद ०१० सर्वं पद्भुतं पच्च भा: उता [illegible] च स्येशानो पदन्नेनातिरोहति ०२॥ एता

बानस्पमहिमातो ज्यायांश्च पुरुष: पा [illegible] म विष्व्यामृतानि त्रिपादस्यामृतं दिवी ०:

श्त्रिपादुर्ध्व उदैत्पुरुष: पादोस्येहा [illegible] नोति विश्वव्यक्रामत सासनन्भ्रमी

त्स्यमं०४॥ तेन विराडजा [illegible]

ह०५॥ तस्माद्यज्ञात्सर्वहुतः सम्भृतं पृषदा [illegible]

तस्माद्यज्ञात्सर्वहुतः ऋचः सामा [illegible]

घजायत ह॰ छन्दांसि जज्ञि ॥७॥ तस्मादश्वा अजा [illegible]

तस्माज्जाता अजावयः ह०८॥ तं यज्ञं [illegible]

न देवा अयजन्त साध्या ऋषयश्च ये [illegible]

न मुखं किमस्यासीत्किं बाहू किमूरू पाद [illegible]

जन्यः कृतः ऊरू तदस्य पद्भ्रेष पद्भ्यां श [illegible]

त एव ह्यो सूर्यो अजायतः श्रोत्राद्वाय [illegible]

भ्यासीदन्तरिक्षं शीर्ष्णो द्यौः समवर्त्तन्त [illegible]

ह०१३॥ ओं यत्पुरुषेण [illegible]

[illegible] ज्ञातो अत्यरिच्यत ह०५ [illegible]

[illegible] सो चे ऋ वायव्यानारण्या ग्राम्या [illegible] ह०६

तस्माद् इन्द्रो वसिपाहिर तास [illegible] तस्म

[illegible] तपेके चोभ यादतः गावो [illegible] तस्मा

[illegible] हविषो त पुरुषं जातम [illegible] ते

[illegible] ॥ ओं यत्पुरुषं व्यदधुः कति [illegible] कल्पय

न्तेति ह०१०॥ ब्राह्मणोस्य मुखमासीद्बाहु

[illegible] प्रजायत ह०११॥ चन्द्रमा मनसो जा

[illegible] प्राणाश्च मुखादग्निरजायत ह०१२॥ ना

[illegible] भूमिर्दिशः श्रोत्रात्तथा लोकां अकल्पयन्

[illegible] मा विदज्य नगृषमद्यमाः र

ना० १८

ओं त्र्यं कं य जा म हे [illegible] गन्धिं [illegible]
विम्मारोय ॥ घृताहुतीः ॥ ओं प्रजापतते स्वाहा इदं [illegible]
सोमाय स्वाहा इदं सो [illegible] ॥ [illegible] यस्य [illegible]
विप्राविप्रस्य दत्तो विविध्ततः [illegible] ता विद [illegible]
ताइदं पुजनाय ॥ ओं देवीद्या [illegible] पि [illegible] मखस
पत्नी मखस्य त्वा शीर्ष्णे [illegible] ॥ [illegible] द्यावाप
वोद्यरिसे [illegible] देव पजने [illegible] मख
य ॥ ओं ऐसे [illegible] प्रासी नमखस्पते [illegible]
शीर्ष्णे [illegible] ॥ [illegible] माय ॥ [illegible] सो [illegible]
पत्नी मखस्य त्वा शीर्ष्णे [illegible] स्वाहा [illegible]
[illegible] विर [illegible]
[illegible]

[illegible] या [illegible] म [illegible] पत्न्या [illegible] गाय तु
ते [illegible] दं [illegible] मं [illegible] कि दे वतं यथा र [illegible]
[illegible] दातव्य तो त त्स दद्य्यात् देश काले
[illegible] तिः [illegible] पूर्व [illegible] दो [illegible] कसं प्रदान
[illegible] मा [illegible] नाराय [illegible]
[illegible] त्राय [illegible] सं [illegible]
[illegible] तः प्रादि [illegible] पा [illegible] विदान
[illegible] धि पुरु [illegible] तमिदं [illegible] स्वाति
[illegible] द्याते ॥ ओं प्रगिन [illegible]
[illegible] प्राग्ने [illegible] दद्यात् ॥ ओं अवमा
[illegible] वितामि [illegible] विमा सम [illegible] यास्या ॥ २४

२३ रास्त्रेधारुगाये विम्म स्थ्यकाद दरोग
णोवप्पतपतो प्रती   स्त्रैवत्वान प्र
तो ।। १२ ।। ततः स्वस्ति वाचि   सा चाप
टदानम् ।। ॐ मेधा मुक   यपितु र
र्मघटरजेत प्रतिमा सा   मनलिद
तेसंभूदो ।। ॐ मेधामुकजो   चर्न लिते
मेघर तिर रय प्रतिमासन्तिस
त्रा० ॐ मेधो मुक   स्य म मुक
टता   प्रतिमासनि तसो
स्य मद्भुक   स्य मभुक रा मेरा
तेपु स्वरय   वतद्यानामजे

विकीर्णवराणि मुज २० प्र
नः प्रत्नग्रन्थिविमोकः ।। प्रत्यकेल
यो तु ।। ततः प्रणा तां जला   रं स
त्राभ्यां प्राणेनोदयक सतां च प्रोन्म
प्रोक्त स्यै सन्तुपोस्मान्दुष्टि   च व पद्
कुर्वीत ततः सारस्वा   मेरवा वहिर
   वागातु विदेगातु विचा गातु मि
 रेखा दार्णा मन्त्रे सा ।। ततः तिलकं
   वस जैयेत ।। पश्चान

मसतको निर

[illegible] ह्रीं आसा [illegible]
चो वेन [illegible] व सु [illegible] स्वत्वे [illegible]
[illegible] पालि [illegible] घे [illegible] स प्र [illegible] पुरे आ [illegible]
[illegible] मूर्तितित म [illegible] ज्ञानि [illegible] प्राप्त ॥ ॐ प म [illegible]
खा सन न [illegible] पिव्या [illegible] स्व पा सा [illegible]
पुरु [illegible] पंखी दिवांड श [illegible] ॐ भ [illegible]
त्स्या [illegible] स म मि [illegible] सर्व [illegible]
नाम [illegible] नमस्वस्ये ण [illegible] ति [illegible]
दोस्व वि [illegible] मृ तानि [illegible] पादर [illegible]
ते तो विषच्च [illegible] कोनासो स ने [illegible]
[illegible] त्य रिच्च तपस्वा [illegible] मि न यो गुरु स्प [illegible]
पवु स्त्तो च क्रे व द [illegible]

[illegible] सो पव [illegible] रा श्वा चैन मः ॐ नमाह
[illegible] मसे प्रकर रा श्वां [illegible] नि ति हि जो करे
[illegible] स्वा ॐ [illegible] गो मुक गो [illegible] त्यि तुः मु क प्र
[illegible] स ऊ ति [illegible] मः सो पस्व रा श्वा
[illegible] दे । [illegible] ॥
[illegible] म घो [illegible] भ [illegible]
[illegible] स म ये त दे [illegible]
[illegible] नो हो भा पा दि प के [illegible]
[illegible] भा भा भा ब कि पा क मे [illegible]
[illegible]

...मनाद्दि
...यो मरणो ... मपदैा ॥ गुस्त्रैने ॥ ...
...गादकस... ॥ शंखा ... त्यासगे
...तोपर्ये ॥ पर... ॥ परा... ॥ मुख...
...त्तितादिदोष ॥ ... कुमरवीण
...मदारण ॥ ... ॥ विभ्रमारि
...रित्त ॥ ... मारित्त ॥ ग्र
...रामरणं ॥ विस चिकाभृतशाकैची
...पर्वताराहसणादे ॥ विकलत्वित्तभ्र
...रोगैप्रपीडित ॥ नपक्वाधिमरण ॥ पापा
...माररोगादी ॥ भगंदर ॥ गंडमाला

...पराजहतर न क चावल... सरप

सेवं... छटाक छांग्रापाव १॥ सामिया

खरवे... उंगा४ पावलव गुत्तर ६ जोंडो

...सिस्ता कोरी कपा... रेता

ची ॥२ ... यह सोपी पलको गहरा॥

...गपीठ... नमा॥ छवले॥२ त्रपवागोर

द१२ दो॥ नाम म रायबासे कमेदिरा॥

...तम्पकत धर्मेषणास्तु नारायणबलि

...रे रविदिनो॥ कुंभ मा॥ शुभम्॥

[illegible]

ना॰ नरसिंचता [illegible]

काघी॥ सरपकी [illegible] कर॥ ८ औ [illegible]

१०८ पिपलकी॥ तामथा [illegible] वग्रतेव

७॥ दुबो ८ कुशा ८॥ प्रस्तत [illegible] नपव

फूलपत्तव से छोरे [illegible]

औसव सत १॥ और [illegible]

दोरा॥ [illegible] कोष [illegible] ॥ चंदन

२) रुपये॥ [illegible] पात दत्ते नामग्री॥ सते

कियासंपूर्णम संवत १८ [illegible] मीति मा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

लता [illegible]

बर [illegible]

दूर्वा [illegible]

ताव [illegible]

५॰ मन्त्र चावल [illegible] धमेर [illegible]

२५ सेवारि ६ नाले [illegible]

घीजेका दूध [illegible] राधे [illegible]

[illegible]

२७ कोडु [illegible]

तस्य नारायरे [illegible]

15 तीख्यते ।।२४।। [illegible]

मय: स्व[illegible] [illegible]

का[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] भुगात [illegible]

[illegible]

मदिरा [illegible] प [illegible]
[illegible] पेन्नकं मध्ये [illegible] पु [illegible]
[illegible] तिल स [illegible]
[illegible] चमोमे [illegible]
[illegible] कोट [illegible]
[illegible]
तस्मात्सर्वात्मा ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
इत्यादि ॥ [illegible]
म ॥ पाषाण [illegible]
[illegible]

मालिनीमाजनेस कल्प॰ ॐ॰ मद्यत्वादि॰ नारा
षमावतिक मेरा॰ सं॰ मत्तासिध्वंस धारा कि
मालि [illegible]

ना॰ २६

[illegible]
गाय नमः [illegible]
जेत्व [illegible] नमः ॥ ॐ [illegible] त्वाद [illegible]
तस्यदे [illegible] राका [illegible]
वि ष्णु देवता ध्या [illegible] मगो त्रा द [illegible]
अप चतुःषष्ठी [illegible]
च [illegible]
[illegible]
[illegible] चित [illegible] वि [illegible]
ओ [illegible]
[illegible]

16

श्री [illegible] देवो [illegible] मा [illegible] भः [illegible]

[illegible] प्रमू [illegible] मं तं [illegible]

[illegible] स्ति [illegible] का [illegible]

[illegible] म [illegible] मि [illegible] रण [illegible]

[illegible] ति तदं [illegible] मृ [illegible] ते

मा [illegible] का [illegible] स [illegible] तां [illegible]

तिष्ठां दधातु ॥ अथ वे [illegible]

स्तोम कुमारी कृता कृत [illegible]

तम वध्वा नाम गो [illegible]

व्यमू [illegible] तो तसंघ त्वाहि [illegible]

श्रौ [illegible] देहि के सम्पदान [illegible]